

THE ASSAM VALLEY SCHOOL

ENTRANCE EXAMINATION:

SUBJECT: HINDI

FOR ADMISSION TO CLASS : 9

Time: 45 MINUTES

M.M. : 25

(TO BE FILLED IN BY THE CANDIDATE)

Name

Date of birth

Studying in class

Class in which admission is desired

Registration Number

Name of Centre

Date

(TO BE FILLED IN BY THE EXAMINER)

MARKS OBTAINED IN PERCENTAGE

INITIALS OF THE EXAMINER

SIGNATURE OF THE EXAMINER

INITIALS OF THE CHAIR

SIGNATURE OF THE CHAIR

COMMENT OF THE CHAIR

Question 2

Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथा सम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

एक बार महाराज कृष्णदेव राय ने अपने राज्य का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया, उसमें आस-पास के राजाओं को भी आमंत्रित किया। सभी ने उन्हें कीमती उपहार दिए। उपहारों में चार कीमती फूलदान भी थे, जो एक राजा ने दिए थे। महाराज को ये फूलदान इतने अच्छे लगे कि उन्होंने उनकी सुरक्षा के लिए अलग से एक सेवक तैनात कर दिया और उसे सख्त आदेश दिया कि यदि फूलदानों के रख-रखाव में किसी प्रकार की लापरवाही हुई या वे टूट गए तो उसे मृत्यु-दण्ड दिया जाएगा।

वह सेवक दिन-रात उनकी हिफाजत करता था। उन पर धूल भी नहीं लगने देता था लेकिन बदकिस्मती से एक दिन अचानक एक फूलदान उसके हाथ से छूटकर गिर गया और टूट गया। खबर सुनते ही महाराज आग बबूला हो गए और उन्होंने इस लापरवाह सेवक को आठवें दिन फाँसी का हुक्म सुना दिया। तेनालीराम को जब यह पता चला तो उन्होंने महाराज को समझाने की कोशिश की कि रामसिंह बीस वर्षों से उनकी सेवा में है, उसे इतने मामूली नुकसान का इतना कठोर दण्ड देना उचित नहीं है। महाराज ने उनकी एक न सुनी। वे अपना-सा नुँह लेकर लौट आए, लेकिन उन्होंने उस सेवक की प्राण-रक्षा का संकल्प कर लिया। वे कारागार में गए, सेवक से सारी बात की, जानकारी ली और उसके कान में कुछ कहकर चले आए। दिन तेजी से बीते और फाँसी वाला दिन आ गया। उस दिन सभी फाँसी-गृह में एकत्रित हुए। महाराज अभी भी क्रोध में थे और सेवक को फाँसी पर झूलता हुआ देखना चाहते थे। सेवक को फाँसी के तख्ते पर चढ़ा दिया गया और तब जल्लादों ने उससे उसकी अंतिम इच्छा पूछी। सेवक ने कहा-"मैं बाकी बचे फूलदान भी देखना चाहता हूँ, जिनकी वजह से मैं फाँसी पर चढ़ाया जा रहा हूँ।"

महाराज की आज्ञा से तीनों बचे हुए फूलदान उसके सामने लाए गए उसने आव न देखा ताव झट से उन तीनों फूलदानों को ज़मीन पर पटक कर तोड़ दिया।

महाराज के क्रोध की सीमा न रही और चीखकर बोले, "मूर्ख ! ये कीमती फूलदान क्यों तोड़ दिए, तुम्हें ऐसा करके क्या मिला ? " वह बिना डरे हुए बोला - " महाराज, तीन लोगों का जीवन।" उसने कहा कि महाराज अगर ये रहते तो तीन और निर्दोष लोग मारे जाते जबकि मेरी नज़र में आदमी से ज्यादा किसी चीज की कीमत नहीं हो सकती है।

उसकी बात सुनकर महाराज की आँखें खुल गईं। उन्होंने तुरंत सेवक को आज्ञा दी कि रामसिंह की फाँसी रोक दी जाए। अंत में उन्होंने विचार किया कि वे क्रोध के शिकार होकर कैसा गलत काम करने जा रहे थे। अंत में राजा की समझ में आ गया कि यह सब कार्य तेनालीराम का ही किया धरा है। हमें यही पता चलता है कि क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति क्रोध के वश में आकर कोई भी फैसला कर लेते हैं, उन्हें अंत में पछताना पड़ता है।

क) सेवक का क्या नाम था और वह कहाँ तथा क्या काम करता था ?

[2]

उत्तर _____

ख) सेवक को क्या काम सौंपा गया था तथा उसकी क्या शर्त थी ?

[2]

उत्तर _____

ग) तेनालीराम क्या चाहते थे तथा उन्होंने उसके लिए क्या प्रयास किए ?

[2]

उत्तर _____

Question 3

Answer the following according to the instructions given:

[4]

दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

क) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों के २-२ पर्यायवाची शब्द लिखिए-

सूर्य , नदी , जल , हवा ।

ख) दिए गए शब्दों को शुद्ध करके रिक्त स्थान में भरिए-

[3]

१)ईसवर _____ २)परीकक्षा _____ ३)आयु _____

४)परतिग्या _____ ५)आरमभ _____ ६)परिमान _____

Question 4

Rewrite the sentences by changing the numbers.

[2]

दिए गए वाक्यों के वचन परिवर्तित कर वाक्य पुनः लिखिए ।

क) कबूतर उड़ रहा है ।

_____ |

ख) पेड़ पर गिलहरी बैठी है ।

_____ |

ग) लेखिका बात कर रही है ।

_____ |

घ) शेरनियाँ दौड़ रही थीं ।

_____ |